Department of Hindi

ATTENDANCE SHEET-CUM-MINUTES OF BOARD OF STUDIES

Minutes of the meeting of the Board of Studies of Hindi (Subject) held on 19.02.2014 (dated) at 11.00 am (time).

PRESENT

	(Name)	(Signature)
1.	Prof. Sharmila Saxena	(Chairperson) .....
2.	Prof. Hari Mohan	(External Expert-1).....
3.	Prof. Aditya Prachandia	(Internal Member-1) .....
4.	Dr. Dayal Pyari Sinha	(Internal Member-2) .....

Proposed changes in the existing system : हिन्दी विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज की मीटिंग दिनांक 19.02.2014 को 11.00 बजे हिन्दी विभाग में हुई। विभागीय सदस्यों के रूप में प्रो0 आदित्य प्रचंडिया एवं डॉ. दयाल प्यारी सिन्हा उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता प्रो. शर्मिला सक्सेना ने की। बैठक में निम्न प्रस्ताव स्वीकृत हुए–

(1) HIM 954 कोर्स जोकि Standing Committee में रखने के उपरांत बोर्ड ऑफ स्टडीज की मीटिंग में प्रस्तुत किया गया, उसे स्वीकृत किया गया।

(2) एक नया कोर्स MDVH 101 को स्वीकृत किया गया। (संलग्नक–A)

(3) निर्देशानुसार पाठ्यक्रम को अद्यतन करने के उद्देश्य से उसमें प्रतिवर्ष कुछ बदलाव होना अपेक्षित है इसलिए पाठ्यक्रम में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये– (संलग्नक–B)

Prof. Sharmila Saxena
(HOD, Hindi)

(संलग्नक–B)

पूर्व पाठ्यक्रम	प्रस्तावित	कारण/ औचित्य
Course No.: HIH231/291, Title: HINDI BHASHA-BOLIYAN & SANRACHNA UNIT-1 हिन्दी भाषा – बोलियाँ एवं संरचना, क्षेत्र, स्वरूप और संभावना UNIT-2 (क) स्वर, व्यंजन, (ख) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन (सामान्य परिचय) (ग) शब्द–समूह UNIT-3 (क) संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन (ख) लोकोक्तियाँ और मुहावर UNIT-4 कार्यालयी हिन्दी एवं पत्राचार–अधिसूचना, अध्यादेश, ज्ञापन, प्रस्ताव, आवेदन पत्र UNIT-5 पत्रकारिता –प्रेस विज्ञप्ति, संवाद लेखन, संपादक के नाम पत्र, फीचर, संपादकीय लेखन	**Course No.: HIH231/291, Title: HINDI BHASHA-BOLIYAN & SANRACHNA** UNIT-1 हिन्दी भाषा – बोलियाँ एवं संरचना, क्षेत्र, स्वरूप और संभावना UNIT-2 (क) स्वर, व्यंजन, (ख) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, लिंग, वचन (सामान्य परिचय) (ग) शब्द–समूह UNIT-3 (क) संक्षेपण, टिप्पण, पल्लवन (ख) लोकोक्तियाँ और मुहावर UNIT-4 कार्यालयी हिन्दी एवं पत्राचार–अधिसूचना, **कार्यालय आदेश**, ज्ञापन, **अनुस्मारक**, आवेदन पत्र UNIT-5 पत्रकारिता –प्रेस विज्ञप्ति, संवाद लेखन, संपादक के नाम पत्र, फीचर, संपादकीय लेखन	यूनिट 4 में 'अध्यादेश' के स्थान पर 'कार्यालय आदेश' तथा 'प्रस्ताव' की जगह पर 'अनुस्मारक' को रखा गया।
Course No.:HIH232/ 292, Course Title: GYAN KE VIVIDH KSHETRA AUR HINDI UNIT-1: साहित्य एवं कलाएँ– गंगा द्वारे नौबत बाजे–बनवारी, प्रभाष जोशी–एक लड़के का पुरुष होना UNIT-2: साहित्य एवं समाज विज्ञान उपभोक्तावाद की संस्कृति – श्यामाचरण दूबे UNIT-3: विज्ञान एवं पर्यावरण – गुणाकर मुले–भारतीय विज्ञान आज भी खरे हैं तालाब –अनुपम मिश्र UNIT-4: शिक्षा संस्कृति – खिलौनों का ह्रास–कृष्ण कुमार	**Course No.: HIH232/292, Course Title: GYAN KE VIVIDH KSHETRA AUR HINDI** UNIT-1: साहित्य एवं कलाएँ– नौबतखाने में इबादत–यतींद्र मिश्र, प्रभाष जोशी–एक लड़के का पुरुष होना UNIT-2: साहित्य एवं समाज विज्ञान–उपभोक्तावाद की संस्कृति– श्यामाचरण दूबे **मीडिया, बाजारवाद और हम–रामशरण जोशी** UNIT-3: विज्ञान एवं पर्यावरण गुणाकर मुले–भारतीय विज्ञान आज भी खरे हैं तालाब –अनुपम मिश्र UNIT-4: शिक्षा संस्कृति खिलौनों का ह्रास–कृष्ण कुमार **मेरे जीवन में पुस्तकालय–प्रेमपाल**	यूनिट 1 में 'गंगा द्वारे नौबत बाजे' की जगह 'नौबतखाने में इबादत–यतींद्र मिश्र' निबंध रखा गया तथा यूनिट 2 तथा यूनिट 4 में एक–एक निबंध बढ़ाया गया। सभी यूनिट का बंटवारा बराबर करने के लिए।

UNIT-5: विविध – साहित्यिक विषयों पर बनी फिल्म (क) तीसरी कसम, (ख) रजनीगन्धा	**शर्मा** UNIT-5: विविध–साहित्यिक विषयों पर बनी फिल्म (क) तीसरी कसम, (ख) रजनीगन्धा	

पूर्व पाठ्यक्रम	प्रस्तावित	कारण/ औचित्य
Course No.: HIM202, Title: HINDI SAHITYA KA ITIHAAS : AADHUNIK KAAL UNIT-1: +ÉvÉÖÊxÉEò EòÉ±É EòÉ BäÊiÉ½þÉÊºÉEò {ÉÊ®ú´Éä¶É, आधुनिकता की अवधारणा, औपनिवेशिकता, नवजागरण, फोर्ट विलियम कॉलेज, खड़ी बोली का विकास UNIT-2: भारतेन्दु एवं उनका मंडल, पत्रकारिता का उदय और विकास UNIT-3: महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती, राष्ट्रीय काव्यधारा और स्वच्छन्दतावाद UNIT-4: +ÉvÉÖÊxÉEò EòÉ±É EòÒ Ê´ÉÊ´ÉvÉ vÉÉ®úÉ+Éå EòÉ Ê´ÉEòÉºÉ ¡ÉlÉÉ |É¨ÉÖJÉ |É´ÉÞÊkÉªÉÉÄ – नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास UNIT-5: +ÉvÉÖÊxÉEò EòÉ±É |É¨ÉÖJÉ EòÊ´É +Éè®ú ®úSÉxÉÉBÄ –छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता व समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता	**Course No.: HIM202, Title: HINDI SAHITYA KA ITIHAAS : AADHUNIK KAAL** UNIT-1: +ÉvÉÖÊxÉEò EòÉ±É EòÉ BäÊiÉ½þÉÊºÉEò {ÉÊ®ú´Éä¶É, आधुनिकताबोध, हिन्दी साहित्य और औपनिवेशिकता, नवजागरण और हिन्दी साहित्य, फोर्ट विलियम कॉलेज, खड़ी बोली और हिन्दी गद्य का विकास UNIT-2: भारतेन्दु युग, हिन्दी पत्रकारिता का उदय और विकास, प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार UNIT-3: महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिन्दी नवजागरण, खड़ी बोली हिन्दी कविता का विकास, राष्ट्रीय काव्यधारा और स्वच्छन्दतावाद UNIT-4: आधुनिक काल की विविध धाराओं का उद्भव–विकास–नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास, आलोचना UNIT-5: छायावाद और छायावादोत्तर काल–प्रमुख कवि एवं रचनाएं, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता व प्रमुख समकालीन हिन्दी पत्रिकाएँ	**ऐतिहासिक कालक्रम के अनुसार यूनिट का बंटवारा तर्कसंगत करने की कोशिश की गयी और विधाओं को उनके विकास काल के अनुसार रखा गया।** **यूनिट 1** में 'आधुनिकता की अवधारणा' की जगह 'आधुनिकताबोध', और 'औपनिवेशिकता' की जगह 'हिन्दी साहित्य और औपनिवेशिकता', नवजागरण की जगह 'नवजागरण और हिन्दी साहित्य', खड़ी बोली और हिन्दी गद्य का विकास जोड़ा गया **यूनिट 2** में 'भारतेन्दु एवं उनका मंडल, पत्रकारिता का उदय और विकास' की जगह 'भारतेन्दु युग, हिन्दी पत्रकारिता का उदय और विकास तथा प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं रचनाकार' जोड़ा गया **यूनिट–3** में 'सरस्वती' की जगह 'सरस्वती और हिन्दी नवजागरण' रखा गया तथा 'खड़ी बोली हिन्दी कविता का विकास' जोड़ा गया **यूनिट–4** में 'आधुनिक काल की विविध धाराओं का विकास' की जगह 'आधुनिक काल की विविध धाराओं का उद्भव–विकास' रखा गया तथा विधाओं में आलोचना को जोड़ा गया यूनिट–5 +ÉvÉÖÊxÉEò EòÉ±É |É¨ÉÖJÉ EòÊ´É +Éè®ú ®úSÉxÉÉBÄ की जगह 'छायावाद और छायावादोत्तर

		काल–प्रमुख कवि एवं रचनाएं' रखा गया तथा 'समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता' की जगह 'प्रमुख समकालीन हिन्दी पत्रिकाएँ' रखा गया

पूर्व पाठ्यक्रम	प्रस्तावित	कारण/ औचित्य
Course Number: HIM402, Course Title: KATHA SAHITYA UNIT 1: हिन्दी उपन्यास, उद्भव और विकास हिन्दी कहानी, उद्भव और विकास UNIT-2: रंगभूमि – प्रेमचन्द UNIT-3: कहानियाँ – पूस की रात–प्रेमचन्द, पाजेब–जैनेन्द्र, ठेस–रेणु, वापसी–उषा प्रियवंदा, ज्वार–संजीव, अंधड़–ओमप्रकाश वाल्मिकी UNIT-4: कहानियाँ UNIT-5: रंगभूमि	**Course Number: HIM402, Course Title: KATHA SAHITYA** UNIT-1: हिन्दी उपन्यास, उद्भव और विकास हिन्दी कहानी, उद्भव और विकास UNIT-2: रंगभूमि – प्रेमचन्द UNIT-3: कहानियाँ – पूस की रात–प्रेमचन्द, पाजेब–जैनेन्द्र, ठेस–रेणु, वापसी–उषा प्रियवंदा, ज्वार–संजीव, **शवयात्रा–ओमप्रकाश वाल्मिकी** UNIT-4: कहानियाँ UNIT-5: रंगभूमि	यूनिट 3 में 'अंधड़' की जगह 'शवयात्रा' को रखा गया
Course Number: HIM502, Course Title: REETI KALEEN KAVYA UNIT 1 : रीतिकाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भाषा, सौन्दर्य, रीति परम्परा, रीति काव्य का स्वरूप UNIT 2 : 1. Eäò¶É´É - SÉªÉÊxÉiÉ +Æ¶É 2. Ê¤É½þÉ®úÒ - ºÉÆ. VÉMÉzÉÉlÉ nùÉºÉ ®úixÉÉEò®ú - |ÉÉ®ú¨¦É Eäò 50 nùÉä½äþ UNIT 3 : 1. PÉxÉÉxÉÆnù EòÊ´ÉkÉ - ºÉÆ Ê´É¶´ÉxÉÉlÉ |ÉºÉÉnù Ê¨É¸É |ÉÉ®ú¨¦É Eäò 25 EòÊ´ÉkÉ 2. भूषण - SÉªÉÊxÉiÉ +Æ¶É UNIT 4 : Eäò¶É´É, Ê¤É½þÉ®úÒ UNIT 5 : PÉxÉÉxÉÆnù, भूषण	**Course Number: HIM502, Course Title: REETI KALEEN KAVYA** UNIT 1 : रीतिकाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भाषा, सौन्दर्य, रीति परम्परा, रीति काव्य का स्वरूप UNIT 2 : 1. Eäò¶É´É - SÉªÉÊxÉiÉ +Æ¶É 2. Ê¤É½þÉ®úÒ - ºÉÆ. VÉMÉzÉÉlÉ nùÉºÉ ®úixÉÉEò®ú - |ÉÉ®ú¨¦É Eäò 50 nùÉä½äþ UNIT 3 : 1. PÉxÉÉxÉÆnù EòÊ´ÉkÉ - ºÉÆ Ê´É¶´ÉxÉÉlÉ |ÉºÉÉnù Ê¨É¸É |ÉÉ®ú¨¦É Eäò 25 EòÊ´ÉkÉ 2. सेनापति - SÉªÉÊxÉiÉ +Æ¶É UNIT 4 : Eäò¶É´É, Ê¤É½þÉ®úÒ UNIT 5 : PÉxÉÉxÉÆnù, सेनापति	यूनिट 3 तथा 4 में 'भूषण' की जगह 'सेनापति' को रखा गया।
Course Number:	**Course Number: HIM504,**	यूनिट–2 से नलिन

HIM504, Course Title: HINDI AALOCHANA यूनिट–1: हिन्दी आलोचना का आरंभ और विकास, हिन्दी आलोचना और रामचन्द्र शुक्ल यूनिट–2: शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना – हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्द दुलारे वाजपेयी, नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र, रामस्वरुप चतुर्वेदी यूनिट–3: हिन्दी के रचनाकार आलोचक (प्रसाद, निराला, अज्ञेय, मुक्तिबोध, साही, निर्मल वर्मा) यूनिट–4: प्रगतिवादी समीक्षा : उद्‌भव और विकास, रामविलास शर्मा, शिवदान सिंह चौहान, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय यूनिट–5: कथा समीक्षा का विकास (देवीशंकर अवस्थी, विश्वनाथ त्रिपाठी, सुरेन्द्र चौधरी, मधुरेश, विजय मोहन सिंह) नई आलोचना दृष्टि साहित्य चिंतन के नये संदर्भ (परिचयात्मक अध्ययन) आधुनिकतावाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर उपनिवेशवाद, उत्तर आधुनिकवाद, प्राच्यवाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श	**Course Title: HINDI AALOCHANA** यूनिट 1: हिन्दी आलोचना का आरंभ और विकास, हिन्दी आलोचना और रामचन्द्र शुक्ल यूनिट–2: शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना–हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्द दुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, यूनिट–3: हिन्दी के रचनाकार आलोचक (प्रसाद, निराला, अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही) यूनिट–4: प्रगतिवादी समीक्षाः उद्‌भव और विकास, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मैनेजर पाण्डेय यूनिट–5: कथा समीक्षा का विकास, कथा समीक्षा का समकालीन संदर्भ, प्रमुख कथा समीक्षक, रूपवाद और नलिन विलोचन शर्मा, काव्य भाषा एवं रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई आलोचना दृष्टि साहित्य चिंतन के नये संदर्भ (परिचयात्मक अध्ययन) आधुनिकतावाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, स्त्री विमर्श, दलित विमर्श	विलोचन शर्मा, रामस्वरुप चतुर्वेदी को हटाकर यूनिट 5 में किया गया। यूनिट 3 कवि आलोचकों की है, निर्मल वर्मा उसमें उपयुक्त नहीं थे। यूनिट 5 में कथा समीक्षा का समकालीन संदर्भ जोड़ा गया तथा उत्तर उपनिवेशवाद एवं प्राच्यवाद हटाया गया।
Course Number: HIM602, Course Title: HINDI NIBANDH SAHITYA UNIT 1 हिन्दी निबंध का स्वरूप और विविध रूप UNIT 2 1. ¤ÉÉ±ÉEÞò¹hÉ ¦É]Âõ]õ - ºÉÉÊ½þiªÉ VÉxÉ ºÉ¨ÉÚ½þ Eäò ¿nùªÉ EòÉ Ê¨ÉEòÉºÉ ½èþ 2. ®úÉ¨ÉSÉxpù ¶ÉÖC±É – श्रद्धा–भक्ति	**Course Number: HIM602, Course Title: HINDI NIBANDH SAHITYA** UNIT 1 हिन्दी निबंध का स्वरूप और विविध रूप UNIT 2 1. ¤ÉÉ±ÉEÞò¹hÉ ¦É]Âõ]õ - ºÉÉÊ½þiªÉ VÉxÉ ºÉ¨ÉÚ½þ Eäò ¿nùªÉ EòÉ Ê¨ÉEòÉºÉ ½èþ 2. ®úÉ¨ÉSÉxpù ¶ÉÖC±É – श्रद्धा–भक्ति	यूनिट 3 में 'आम बौरा गए हैं' की जगह 'तुम चंदन हम पानी' तथा प्रभाष जोशी की जगह 'डॉ. नगेन्द्र–आधुनिकता का प्रश्नःसाहित्य के संदर्भ में' जोड़ा गया।

3. ½þVÉÉ®úÒ |É°ÉÉnù Êuù´ÉänùÒ - EÖò]õVÉ 4. रामवृक्ष बेनीपुरी – गेहुँ और गुलाब UNIT 3 1. b÷É. ®úÉ¨É Ê´É±ÉÉ°É ¶É¨ÉÉÇ - iÉÖ±É°ÉÒ °ÉÉÊ½þiªÉ Eäò °ÉÉ¨ÉxiÉ Ê´É®úÉävÉÒ ¨ÉÚ±ªÉ 2. b÷É. Ê´ÉtÉÊxÉ´ÉÉ°É Ê¨É¸É – आम बौरा गये हैं 3. ½þÊ®ú¶ÉÆEò®ú {É®ú°ÉÉ<Ç - {ÉÊ½þ±ÉÉ °É¡äònù ¤ÉÉ±É 4. प्रभाष जोशी–चयनित निबंध UNIT 4 ¤ÉÉ±ÉEÞò¹hÉ ¦É]Âõ]õ, ®úÉ¨ÉSÉxpù ¶ÉÖC±É, ½þVÉÉ®úÒ |É°ÉÉnù Êuù´ÉänùÒ, रामवृक्ष बेनीपुरी UNIT 5 b÷É. ®úÉ¨É Ê´É±ÉÉ°É ¶É¨ÉÉÇ, ½þÊ®ú¶ÉÆEò®ú {É®ú°ÉÉ<Ç, b÷Éìo Ê´ÉtÉÊxÉ´ÉÉ°É Ê¨É¸É, प्रभाष जोशी	3. ½þVÉÉ®úÒ |É°ÉÉnù Êuù´ÉänùÒ - EÖò]õVÉ 4. रामवृक्ष बेनीपुरी – गेहुँ और गुलाब UNIT 3 1. b÷É. ®úÉ¨É Ê´É±ÉÉ°É ¶É¨ÉÉÇ - iÉÖ±É°ÉÒ °ÉÉÊ½þiªÉ Eäò °ÉÉ¨ÉxiÉ Ê´É®úÉävÉÒ ¨ÉÚ±ªÉ 2. b÷É. Ê´ÉtÉÊxÉ´ÉÉ°É Ê¨É¸É – तुम चंदन हम पानी 3. ½þÊ®ú¶ÉÆEò®ú {É®ú°ÉÉ<Ç - {ÉÊ½þ±ÉÉ °É¡äònù ¤ÉÉ±É 4. डॉ. नगेन्द्र–आधुनिकता का प्रश्नःसाहित्य के संदर्भ में UNIT 4 ¤ÉÉ±ÉEÞò¹hÉ ¦É]Âõ]õ, ®úÉ¨ÉSÉxpù ¶ÉÖC±É, ½þVÉÉ®úÒ |É°ÉÉnù Êuù´ÉänùÒ, रामवृक्ष बेनीपुरी UNIT 5 b÷É. ®úÉ¨É Ê´É±ÉÉ°É ¶É¨ÉÉÇ, ½þÊ®ú¶ÉÆEò®ú {É®ú°ÉÉ<Ç, b÷Éìo Ê´ÉtÉÊxÉ´ÉÉ°É Ê¨É¸É, डॉ. नगेन्द्र	

पूर्व पाठ्यक्रम	प्रस्तावित	कारण/ औचित्य
Course: HIM702 Title: ADHUNIK KAVITA - EK यूनिट–1: आधुनिक कविता का विकासात्मक परिचय – भारतेन्दु, द्विवेदी एवं छायावाद युग की कविता की विशेषताएँ एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ यूनिट–2: भारतेन्दु मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती बालकृष्ण शर्मा नवीन यूनिट–3: जयशंकर प्रसाद – कामायनी – श्रद्धा सर्ग, इड़ा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – राम की शक्ति पूजा, सरोज–स्मृति सुमित्रानन्दन पन्त – चयनित कविताएँ महादेवी वर्मा – चयनित कविताएँ यूनिट–4: भारतेन्दु, मैथिलीशरण गुप्त, बालकृष्ण शर्मा नवीन यूनिट–5: जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा	**Course: HIM702 Title: ADHUNIK KAVITA - EK** यूनिट–1: आधुनिक कविता का विकासात्मक परिचय – भारतेन्दु, द्विवेदी एवं छायावाद युग की कविता की विशेषताएँ एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ यूनिट–2: भारतेन्दु मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती बालकृष्ण शर्मा नवीन यूनिट–3: जयशंकर प्रसाद–कामायनी –श्रद्धा इड़ा सर्ग, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला–राम की शक्ति पूजा, जुही की कली, सुमित्रानन्दन पन्त–चयनित कविताएँ महादेवी वर्मा–चयनित कविताएँ यूनिट–4: भारतेन्दु, मैथिलीशरण गुप्त, बालकृष्ण शर्मा नवीन यूनिट–5: जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा	यूनिट 3 में निराला की कविता 'सरोज–स्मृति' की जगह 'जुही की कली' को रखा गया।
Course Number: HIM703, Course Title: BHASHA VIGYAN यूनिट 1: भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप (क) मानक हिन्दी भाषा का भाषा वैज्ञानिक विवरण (ख) भाषा प्रयोग के विविध रूप – बोली, साहित्यिक भाषा, जन विभाषा, उपबोली यूनिट 2: ध्वनि नियम: ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, यूनिट 3: स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञानः (क) ध्वनियों का वर्गीकरण – खण्डीय ध्वनियाँ (स्वर एवं व्यंजन) खण्ड्येतर ध्वनियाँ – अनुनासिकता, बलाघात, सुर, अनुतान	**Course Number: HIM703, Course Title: BHASHA VIGYAN** यूनिट 1: भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप (क) मानक हिन्दी भाषा का भाषा वैज्ञानिक विवरण (ख) भाषा प्रयोग के विविध रूप – बोली, साहित्यिक भाषा, जन विभाषा, उपबोली यूनिट 2: ध्वनि नियम: ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, यूनिट 3: स्वन विज्ञान एवं स्वनिम विज्ञानः (क) ध्वनियों का वर्गीकरण – खण्डीय ध्वनियाँ (स्वर एवं व्यंजन)खण्ड्येतर ध्वनियाँ–अनुनासिकता, बलाघात, सुर, अनुतान	यूनिट 4 में 'वाक्य की अन्तःकेन्द्रिक और बहिकेन्द्रिक रचना' की जगह 'वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ' रखा गया।

(ख) ध्वनियों का वितरण – परिपूरक, मूक्त, व्यतिरेकी यूनिट 4: रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञानः (क) पद और शब्द, पद और संबंध तत्व, पद विभाग, व्याकरणिक कोटियाँ, रूपिम के प्रकार, रूप परिवर्तन के कारण (ख) वाक्य, वाक्य की परिभाषा, प्रकार और अनिवार्य तत्व, वाक्य की अन्तःकेन्द्रिक और बहिकेन्द्रिक रचना, वाक्य परिवर्तन के कारण यूनिट 5: अर्थ विज्ञान – परिभाषा, अर्थ ज्ञान के साधन, अर्थ ज्ञान के साधक एवं बाधक तत्व, एकार्थक और नानार्थक शब्दों का अर्थनिर्णय, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	(ख) ध्वनियों का वितरण – परिपूरक, मूक्त, व्यतिरेकी यूनिट 4: रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञानः (क) पद और शब्द, पद और संबंध तत्व, पद विभाग, व्याकरणिक कोटियाँ, रूपिम के प्रकार, रूप परिवर्तन के कारण(ख) वाक्य, वाक्य की परिभाषा, प्रकार औरअनिवार्य तत्व, वाक्य की अन्तःकेन्द्रिक और बहिकेन्द्रिक रचना, वाक्य परिवर्तन के कारण यूनिट 5: अर्थ विज्ञान – परिभाषा, अर्थ ज्ञान के साधन, अर्थ ज्ञान के साधक एवं बाधक तत्व, एकार्थक और नानार्थक शब्दों का अर्थनिर्णय, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	
Course Number: HIM704, Course Title: काव्य शास्त्र यूनिट पाँच में 'एफ.आर. लेविस'	**Course Number: HIM704, Course Title: काव्य शास्त्र** यूनिट पाँच में 'एफ.आर. लेविस' की जगह टी0एस0 इलियट को देखा गया।	

MODULAR COURSE ON
VYAVASAYIK HINDI
COURSE NUMBER: MDVH 101

यह पाठ्यक्रम क्यों ?

इस प्रचार – प्रसार युग में हिन्दी की पुरानी भाषा के संरक्षण और अध्ययन की आज महती आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष्य में पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोली ब्रजभाषा और पूर्वी हिन्दी की प्रमुख बोली अवधी का अध्ययन कराना हमारा अभिप्रेत है। वर्तमान समय में भाषा, बोली, लिपि के स्वरूप और उसका सांस्कृतिक महÙव, हिन्दी शब्द की व्युत्पÎk, अर्थ और विविध नाम, हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय़ बताते हुए ब्रजभाषा और 'अवधी' भाषा का अध्ययन उपयोगी ठहरता है।

आजादी से पहले और बाद की हिन्दी जैसे राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, मानक भाषा और आठवीं अनुसूची का ज्ञान आज आवश्यक है। प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी के बढ़ते प्रयोग की जानकारी होनी चाहिए । केन्द्रीय सचिवालय, बैंकों, रेलवे, पोस्ट ऑफिस, व्यवसाय और उद्योग धन्धों में हिन्दी के प्रयोग का परिज्ञान अत्यन्त उपयोगी है।

व्यावसायिकता के इस युग में कार्यालय पत्रलेखन, टिप्पणी, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, अपठित, निबंध लेखन, शब्दरूप – तत्सम, तn~भव, देशज, विदेशज, शब्दावली का निर्माण, पारिभाषिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियां (अँग्रेजी से हिन्दी) आदि का अध्ययन उपयोगी और महनीय हो जाता है।

- प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
हिन्दी विभाग

MODULAR COURSE ON
VYAVASAYIK HINDI
COURSE NUMBER: MDVH 101
CREDITS -12

CONTENTS:

1. ब्रजभाषा और अवधी भाषा का अध्ययन- 4 Credit
2. वर्तमान हिन्दी और संचार माध्यम- 4 Credit
3. कार्यालयी हिन्दी-4 Credit

COURSE NUMBER: MDVH 101, COURSE TITLE-BRAJBHASHA AUR AWADHI BHASHA KA ADHYAYAN, STATUS OF COURSE- MODULAR COURSE Approved since session-2014-15, Total Credits-4, Periods-60mts/each: week-6 (L=4,P=2,T+0)

इकाई 1 : भाषा, बोली और अवधी लिपि का स्वरूप

पाठ 1 : भाषा और बोली – परिभाषा और विशेषता

पाठ 2 : देवनागरी लिपि और मानक रूप

पाठ 3 : भाषा और बोली का सांस्कृतिक महÙव

इकाई 2 : <u>हिन्दी शब्द की व्युत्पÚk, अर्थ और विविध नाम</u>

पाठ 1 : हिन्दी शब्द की व्युत्पÚk और अर्थ

पाठ 2 : हिन्दुई, हिन्दवी, रेख्ता – रेख्ती

पाठ 3 : उर्दू, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी हिन्दी

इकाई 3 : <u>हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय</u>

पाठ 1 : पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी

पाठ 2 : राजस्थानी हिन्दी

पाठ 3 : बिहारी और पहाड़ी हिन्दी

इकाई 4 : <u>ब्रजभाषा का अध्ययन</u>

पाठ 1 : ब्रजभाषा का इतिहास

पाठ 2 : ब्रजभाषा की संरचना – ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य

पाठ 3 : खड़ी बोली हिन्दी का ब्रजभाषा में रूपान्तरण

इकाई 5 : <u>अवधी भाषा का अध्ययन</u>

पाठ 1 : अवधी भाषा का इतिहास

पाठ 2 : अवधी भाषा की संरचना – ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य

पाठ 3 : खड़ी बोली हिन्दी का अवधी भाषा में रूपान्तरण

COURSE NUMBER: MDVH 101, COURSE TITLE- VARTAMAN HINDI AUR SANCHAR MADHYAYAM, STATUS OF COURSE- MODULAR COURSE Approved since session-2014-15, Total Credits-4, Periods-60mts/each: week-6 (L=4,P=2,T+0)

इकाई 1 : <u>वर्तमान हिन्दी</u>

पाठ 1 : आजादी से पहले हिन्दी भाषा का मानचित्र

पाठ 2 : आजादी के बाद हिन्दी का स्वरूप और विस्तार- राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, मानक भाषा

पाठ 3 : आठवीं अनुसूची

इकाई 2 : <u>संचार माध्यम</u>

पाठ 1 : अवधारणा

पाठ 2 : परिभाषा, प्रकार

पाठ 3 : प्रक्रिया माध्यम

इकाई 3 : <u>प्रिंट मीडिया में हिन्दी भाषा के विविध रूप</u>

पाठ 1 : सामाचार के विविध रूप और उनकी भाषा

पाठ 2 : फीचर की भाषा

पाठ 3 : सम्पादकीय की भाषा

इकाई 4 : <u>इलैक्ट्रॉनिक मीडिया में हिन्दी भाषा के विविध रूप</u>

पाठ 1 : रेडियो की भाषा – समाचारों की भाषा, विज्ञापन की भाषा, मनोरंजन की भाषा

पाठ 2 : टेलीविजन की भाषा – समाचारों की भाषा, विज्ञापन की भाषा, मनोरंजन की भाषा

पाठ 3 : कम्प्यूटर की भाषा

इकाई 5 : <u>विभिन्न क्षेत्रों मे हिन्दी का प्रयोग</u>

पाठ 1 : केन्द्रीय सचिवालय और बैंकों में हिन्दी का प्रयोग

पाठ 2 : रेलवे और पोस्ट ऑफिस में हिन्दी का प्रयोग

पाठ 3 : व्यवसाय और उ द्योग धन्धो में हिन्दी का प्रयोग

COURSE NUMBER: MDVH 101, COURSE TITLE- KARYALAYI HINDI, STATUS OF COURSE- MODULAR COURSE Approved since session-2014-15, Total Credits-4, Periods-60mts/each: week-6 (L=4,P=2,T+0)

इकाई 1 : <u>कार्यालयी पत्र लेखन</u>

पाठ 1 : सरकारी पत्र लेखन – सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र शासनादेश, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति, तार, पृष्ठांकन, सूचना, निविदा, विज्ञापन, पावती

पाठ 2 : व्यावसायिक पत्र लेखन – अभिप्राय, आवश्यक अंग, विशेषतायें, महÙव

पाठ 3 : आवेदन पत्र और स्ववृÙk लेखन – अभिप्राय, प्रकार, विशेषतायें, महÙव

इकाई 2 : <u>टिप्पणी, प्रारूपण, संक्षेपण</u>

पाठ 1 : टिप्पणी से आशय, प्रकार, विशेषतायें

पाठ 2 : प्रारूपण – गुण, रूपरेखा और प्रारूप तैयार करने के लिए सामान्य अनुदेश

पाठ 3 : संक्षेपण – तात्पर्य, सार, सारांश, आशय आदि से भिन्नता, गुण, सार्थक शीर्षक, शैली, विधि, विविध संदर्भ, उपयोगिता और महÙव

इकाई 3 : <u>पल्लवन, अपठित, निबंध लेखन</u>

पाठ 1 : पल्लवन – अर्थ और परिभाषा, रचनारूप, महÙव एवं उपयोगिता

पाठ 2 : अपठित – गद्य और पद्य का सारांश, रेखांकित अंशो का अर्थ, उपयुक्त शीर्षक छाँटना

पाठ 3 निबंध लेखन

इकाई 4 : <u>शब्दरूप</u>

पाठ 1 : तत्सम, तn~भव, देशज, विदेशज

पाठ 2 : शब्दावली का निर्माण – संधिज, उपसर्ग, शब्द प्रत्यय, समास प्रक्रिया से बने शब्द, शब्द संक्षेप, संकर शब्द

पाठ 3 : विधिमूलक शब्द, कानून सम्बन्धी शब्द, तकनीकी शब्द, वैज्ञानिक शब्द

इकाई 5 : <u>पारिभाषिक शब्दावली</u>

पाठ 1 : पारिभाषिक शब्दावली – सम्प्रदाय और विचारधाराएँ

पाठ 2 : पारिभाषिक शब्दावली का ग्रहण – अँग्रेजी शब्दों से यथावत ग्रहण हिन्दी भाषा की बोलियों के शब्द, अरबी – फारसी शब्द, हिन्दीतर भारतीय भाषाओं के शब्द, अनुकूलन } kरा ग्रहण

पाठ 3 : प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ (अँग्रेजी से हिन्दी)